मैत्रेयी महाविद्यालय में मनाया गया हिंदी दिवस, आयोजित हुई निबंध प्रतियोगिता

डॉ.हेमलता रानी

नई दिल्ली |दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्रेयी महाविद्यालय में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. हरित्मा चोपड़ा के संरक्षण में किया गया। इस कार्यक्रम के तहत 11 सितंबर को एक निबंध प्रतियोगिता और 13 सितंबर को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका विषय था – 'राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन'। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में हिंदी हस्ताक्षर अभियान भी शुरू किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षा मंत्रालय के राजभाषा निदेशक जगदीश राम पौरी मौजूद रहे। उन्होंने राजभाषा हिंदी के प्रचार – प्रसार के विषय में वक्तव्य दिया। उन्होंने हिंदी भाषा, भारतीय भाषाओं व भारतीय संस्कृति को अपने वक्तव्य में समन्वित रूप से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मैत्रेयी महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. हरित्मा चोपड़ा,प्रकोष्ठ के नोडल ऑफिसर प्रो. प्रदीप राय , हिंदी विभाग प्रभारी डॉ. सुशील कुमारी , हिंदी विभाग व राजभाषा प्रकोष्ठ के सभी सदस्य डॉ. पुष्पा गुप्ता, डॉ. स्नेह लता, डॉ. मीनू कुमारी, डॉ. सीमा मीणा, डॉ. हेमलता रानी, डॉ. अनीता देवी, डॉ. अमीता, डॉ ममता धवन, डॉ. पूजा खोरवाल, डॉ. राहुल कुमार, अंकित राय, डॉ. अनिल कुमार, संजना खारी, उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के गैर शिक्षण वर्ग के सभी सदस्य व अन्य विभागों के शिक्षक भी मौजूद थे।

All India Media Association
(Under Operating By AIMAMEDIA Foundation)
14 सितम्बर-2024, AIMA MEDIA मुज़फ्फरनगर,उत्तर प्रदेश

दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्रेयी महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर निबंध प्रतियोगिता और कार्यशाला का आयोजन, राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार पर जोर

डॉ अंकुर प्रकाश गुप्ता "मानव"

दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्रेयी महाविद्यालय में हिंदी दिवस का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. हरिमा चोपड़ा के संरक्षण में संपन्न हुआ। हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत 11 सितंबर को निबंध प्रतियोगिता से की गई, जिसमें महाविद्यालय के छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके बाद 13 सितंबर को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका विषय 'राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन' था। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई, जिसमें सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इसके बाद हिंदी हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को हिंदी भाषा के प्रति जागरूक और समर्पित बनाना था। इस विशेष कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षा मंत्रालय के राजभाषा निदेशक श्री जगदीश राम पौरी उपस्थित थे। उन्होंने अपने वक्तव्य में हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला और इसके प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। उन्होंने हिंदी को भारतीय भाषाओं और संस्कृति से जोड़ते हुए बताया कि हिंदी न केवल एक भाषा है, बल्कि यह भारतीय समाज की आत्मा को भी व्यक्त करती है। श्री पौरी ने राजभाषा हिंदी के सही कार्यान्वयन के लिए सभी विभागों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने पर भी बल दिया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. हरिमा चोपड़ा ने भी हिंदी दिवस के अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने हिंदी को जनमानस की भाषा बताते हुए इसे सरकारी और गैर-सरकारी कार्यों में अधिक से अधिक उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी दिवस का उद्देश्य भाषा के प्रति सम्मान बढ़ाना और नई पीढ़ी को इसके महत्व से अवगत कराना है। कार्यक्रम के आयोजन में हिंदी विभाग और राजभाषा प्रकोष्ठ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। हिंदी विभाग की प्रभारी डॉ. सुशील कुमारी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और इस आयोजन को सफल बनाने में हिंदी विभाग के सभी सदस्यों, जिसमें डॉ. पुष्पा गुप्ता, डॉ. स्नेह लता, डॉ. मीनू कुमारी, डॉ. सीमा मीणा, डॉ. हेमलता रानी, डॉ. अनीता देवी, डॉ. अमीता, डॉ. ममता धवन, डॉ. पूजा खोरवाल, डॉ. राहुल कुमार, अंकित राय, डॉ. अनिल कुमार और संजना खारी शामिल थे, का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मचारी और छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सभी ने हिंदी के प्रति अपने समर्पण और समर्थन को दर्शाते हुए इस कार्यक्रम को सफल बनाया।